स्कूलों और एर्ली चाइल्डहुड (प्रारम्भिक बाल्यावस्था) में बीमारी का प्रबंध करना

हमारे समुदाय में कोरोनावायरस (COVID-19) के फैलाव को कम करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक कार्य जो हम कर सकते हैं, वह अस्वस्थ होने पर घर में ही रहना है, भले ही हमारे लक्षण हल्के से हल्के ही क्यों न हों।

आपको क्या जानने की ज़रूरत है

यदि कोई बच्चा/बच्ची अस्वस्थ है, भले ही उसके लक्षण हल्के से हल्के ही क्यों न हों, यह ज़रूरी है कि वह घर पर ही रहे

यदि दिन के दौरान कोई बच्चा/बच्ची अस्वस्थ जो जाता/जाती है, तो उन्हें स्कूल/एर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एंड केयर (ECEC) से, जितनी जल्दी संभव हो सके, ले लिया जाना चाहिए।

यदि किसी बच्चे/बच्ची को कोरोनावायरस (COVID-19) के नीचे दर्शाए कोई लक्षण हैं, भले ही वे हल्के हों, तो उन्हें टेस्ट करवाना चाहिए और अपने परिणाम मिलने तक घर पर ही रहना चाहिए:

- बुख़ार
- कंपन या पसीना आना
- खांसी
- गले में खराश
- सांस फूलना
- नाक बहना
- गंध या स्वाद के अहसास का खो जाना।

कुछ निश्चित परिस्थितियों में सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, बंद नाक, ऊबकाई, उल्टी आना और दस्त जैसे लक्षणों को भी इसके लक्षण माना जा सकता है।

अधिक परामर्श के लिए:

- 24-घंटे की कोरोनावायरस (COVID-19) हॉटलाइन को 1800 675 398 पर फोन करें
- किसी डॉक्टर (जनरल प्रेक्टिशनर) को फोन करें
- स्वास्थ्य विभाग (Department of Health - DHS) के ऑनलाइन खुद का आकलन करने के टूल का प्रयोग करें।

यह वेबसाइट देखें: टेस्ट कहाँ से करवाएँ।

बच्चे/बच्ची को तब तक घर पर रहना चाहिए जब तक कि वे लक्षणहीन न हो जाएँ, भले ही उनके कोरोनावायरस (COVID-19) का टेस्ट नेगेटिव आता है

यदि कोरोनावायरस (COVID-19) के लिए व्यक्ति का टेस्ट पॉज़िटिव आता है या उसकी पहचान एक करीबी संपर्क (क्लोज़ कांटेक्ट) के तौर पर की गई है, तो यह ज़रूरी है कि DHS से अपनी क्लीयरेंस (निकासी) मिलने तक वे एकाँतवास/संगरोध [आइसोलेट/क्वारंटाइन] करें।

हे फीवर या दमे जैसी अंतर्निहित समस्याओं के कारण लगातार लक्षणों से ग्रस्त रहने वाले बच्चे, जिनके लक्षण स्पष्ट रूप से अपनी समस्या के कारण हैं, ECEC/स्कूल आना जारी रख सकते हैं। यदि उनमें अपने सामान्य लक्षणों की बजाए अलग या और खराब लक्षण पैदा होते हैं तो COVID-19 के लिए उनका टेस्ट करवाया जाना चाहिए। यदि उनके लक्षण लगातार रहते हैं जो सम्भवत: खांसी या नाक बहने जैसे COVID-19 के लक्षणों के साथ एक ही समय पर हो सकते हैं तो उन्हें ECEC/स्कूल आने के लिए अपने जी.पी. (डॉक्टर) से मेडिकल सर्टिफिकेट लेने पर विचार करना चाहिए।

छोटे बच्चों (प्री-स्कूल से लेकर कक्षा 2 तक) में वायरल होने के बाद लम्बे समय तक नाक बहना या खांसी जैसे लक्षण बने रह सकते हैं और वे COVID-19 का नेगेटिव टेस्ट आने के बाद स्कूल/ECEC वापिस आना शुरू कर सकते हैं भले ही वे पूरी तरह से लक्षणहीन न हुए हों। उन्हें अपने जी.पी. (डॉक्टर) से मेडिकल सर्टिफिकेट की ज़रूरत होगी जिससे यह पुष्टि हो कि वे अन्यथा स्वस्थ हैं या अपनी एक्यूट बीमारी से रिक्वर हो चुके हैं।

अन्य परिस्थितियों के लिए विद्यार्थियों और बच्चों को कितनी न्यूनतम अवधियों के लिए घर पर रहने की ज़रूरत है, इस बारे में जानकारी के लिए DHS की स्कूल बहिष्करण सारणी देखें।

स्कूल/ECEC वापिस आने से पहले बच्चों को मेडिकल सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं है

लक्षणों के दूर हो जाने के बाद, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग (Department of Education and Training) या DHS की कोई ऐसी आवश्यकता नहीं है कि स्कूल/ECEC वापिस आना शुरू करने से पहले बच्चों/विद्यार्थियों के पास मेडिकल सर्टिफिकेट होना चाहिए।

इन चरणों का अनुसरण करने में आपके समर्थन के लिए आपका धन्यवाद, मिलकर हम सभी सुरक्षित रह सकते हैं।

यह सलाह शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग (Department of Education and Training), सैफर केयर विक्टोरिया (Safer Care Victoria) और स्वास्थ्य विभाग (Department of Health) द्वारा तैयार की गई है